दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका

दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 80 | जनवरी–फरवरी 2011 | पंजी॰ सं॰ आर.–43037/85

64वाँ दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस सम्पन्न



सत्कार समारोह

दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस की 64वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 22 फरवरी को तीन मूर्ति लाइन (17, मदर टेरेसा क्रिसेंट) में सत्कार समारोह (ऐट होम) का आयोजन किया गया। इस रमणीय एवं भव्य समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, उपराष्ट्रपति श्री एम. हामिद अंसारी, प्रधानमंत्री डॉ॰ मनमोहन सिंह, केन्द्रीय गृहमंत्री श्री पी. चिदम्बरम, मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित, केन्द्रीय गृहसचिव श्री जी.के. पिल्लई, उपराज्यपाल श्री तेजेन्द्र खन्ना के अलावा विभिन्न पुलिस संगठनों, अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों, भूतपूर्व पुलिस आयुक्तों एवं मीडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता को पुलिस स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दी।



पुलिस सप्ताह (16 से 22 फरवरी) की कुछ झलकियाँ...

















आकर्षक व भव्य रही रेज़िंग डे परेड



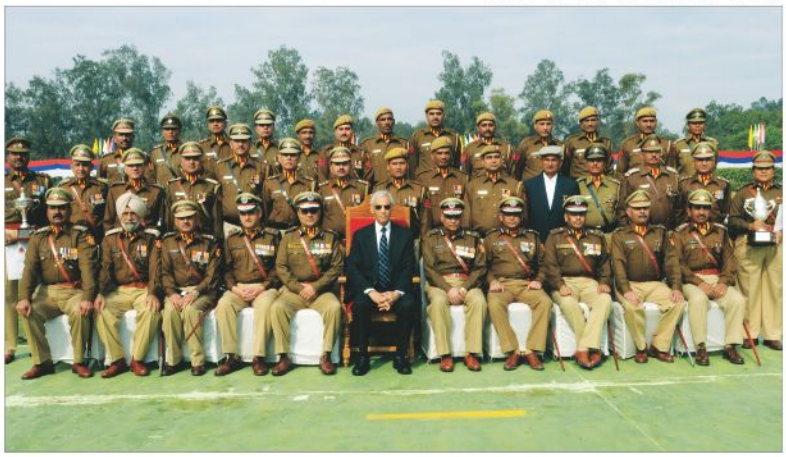




16 फरवरी की प्रातः 64वें स्थापना दिवस के अवसर पर नई पुलिस लाइन मैदान में एक आकर्षक एवं शानदार परेड का आयोजन किया गया। उप–राज्यपाल श्री तेजेन्द्र खन्ना ने इस परेड की सलामी ली। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता, सेवानिवृत्त पुलिस आयुक्त, समस्त विशेष पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त अति॰ आयुक्त पुलिस, उपायुक्त पुलिस, पुलिस पदक विजेता, पुलिस अधिकारी जवान एवं उनके परिजन उपस्थित थे। भव्य एवं शानदार परेड में एंटी रॉएट, सशस्त्र पुलिस, महिला पुलिस दस्ता, यातायात पुलिस दस्ता, कंमाडो दस्ता, ट्रैफिक मोटरसाइकिल दस्ता, श्वान दस्ता, घुड़सवार दस्ता तथा दिल्ली पुलिस का चिर–परिचित बैंड शामिल था। परेड कमांडर दक्षिणी जिला के अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्री विजय सिंह ने मुख्य अतिथि उपराज्यपाल महोदय को परेड निरीक्षण के लिए आमंत्रित किया एवं बाद में परेड समाप्ति की अनुमति ली।

मुख्य अतिथि श्री तेजेन्द्र खन्ना जी ने कहा कि राजधानी दिल्ली आतंकवाद व असामाजिक तत्त्वों के निशाने पर रहती है। परन्तु दिल्ली पुलिस ने अपनी संवेदनशीलता और शानदार कार्यप्रणाली से हर मौके पर दिल्ली को शर्मसार होने से बचाया है। दिल्ली पुलिस का इतिहास रहा है कि उसने अपनी अथक मेहनत व सतत् प्रयासों से समाज में अमन–चैन व शांति व्यवस्था बनाए रखी। उन्होंने कहा कि गत वर्ष अक्टूबर माह में दिल्ली में आयोजित हुए राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान लगभग 75 देशों के खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था। इन खेलों को लेकर पिछले दो वर्षों से विदेशियों द्वारा भी सुरक्षा व आतंकवाद को लेकर चिंता जताई जा रही थी। परन्तु दिल्ली पुलिस ने कुशलता एवं पेशेवर निपुणता के साथ खेलों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया। यह वास्तव में काबिले तारीफ है।

मुख्य अतिथि महोदय ने गत वर्ष 26 जनवरी 2010 व 15 अगस्त 2010 के मौके पर राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित 38 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को पुलिस पदक से अलंकृत कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शामिल हैं: **वीरता के लिए** इंस्पैक्टर विवेकानंद झा, एसआई अशोक त्यागी, एसआई रणवीर सिंह, एएसआई अशोक कुमार, हैडकां॰ हरीश कुमार, हैडकां॰ सुन्दर लाल गौतम, हैडकां॰ देवीदयाल तथा हैडकां॰ स्व॰ सतीश कुमार को मरणोपंरात (उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीलम शर्मा द्वारा गृहण), **विशिष्ट सेवाओं के लिए** विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.एन. अग्रवाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस. निथ्यानंदम, एसीपी श्री ओमप्रकाश तथा इंस्पैक्टर राजा राम (अब एसीपी),



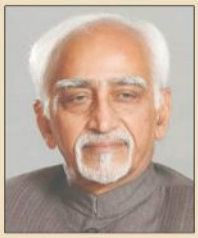
सराहनीय सेवाओं के लिए उपायुक्त पुलिस श्री रूपेन्द्र कुमार, एसीपी श्री बलजीत सिंह बामेल, एसीपी हरि सिंह बिष्ट, एसीपी गुरनाम सिंह रंधावा, एसीपी जगमिन्दर सिंह, इंस्पैक्टर राज कुमार सिंह (अब एसीपी), इंस्पैक्टर धर्मपाल सिंह, इंस्पैक्टर राजीव भटनागर, एसआई रामबीर सिंह, सेवानिवृत्त एसआई किशोरी लाल, एसआई आर.पी. मिंज, एएसआई राजसिंह, एसआई लालचंद, हैडकां॰ जगजीत सिंह, हैडकां॰ जितेन्द्र सिंह, हैडकां॰ सुरेन्द्र सिंह, हैडकां॰ जयसिंह, हैडकां॰ मुकेश कुमार, हैडकां॰ जगपाल तथा हैडकां॰ सुभाष कुमार।

64वें दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस पर शीर्षस्थ नेतृत्व द्वारा भेजे गये संदेशों का सारांश



दिल्ली पुलिस का इतिहास रहा है कि उसने सदैव अपनी पेशेवर व्यवसायिक निपुणता और कार्यकुशलता से अपनी गरिमामयी परम्परा का निर्वाह किया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है ताकि दिल्लीवासी अपनी प्रतिदिन की गतिविधियों और व्यवसाय को सुविधापूर्वक पूरा कर सके। मैं निश्चिंत हूँ कि दिल्ली पुलिस अपने उद्देश्य पूर्ति में सफल होगी, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा के प्रति अपने दायित्त्व को लेकर। मैं दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस की सफलता की कामना करते हुए इस बल के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देती हूँ।

श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल
महामहिम राष्ट्रपति, भारत सरकार



राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली दिल्ली पुलिस अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन जोश व पेशेवर निपुणता से करती है। पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर मैं दिल्ली पुलिस के सभी सदस्यों एवं उनके परिजनों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

श्री एम. हामिद अंसारी
माननीय उप–राष्ट्रपति, भारत सरकार



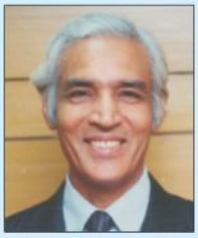
पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली पुलिस ने स्वयं को एक मजबूत पुलिस बल के रूप में प्रस्तुत किया है। अपनी उच्च श्रेणी की पेशेवर निपुणता, साहस, समर्पण और श्रेष्ठ वचनबद्धता से उसने बड़े उत्तरदायित्वों को पूरा किया है। मैं दिल्ली पुलिस को मुबारकबाद देना चाहूँगा कि उसने दिल्ली के नागरिकों की सेवा करते हुए अपना एक और शानदार वर्ष पूरा किया। इस अवसर पर मैं दिल्ली पुलिसकर्मियों व उनके परिजनों को बधाई देता हूँ।

श्री मनमोहन सिंह
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार



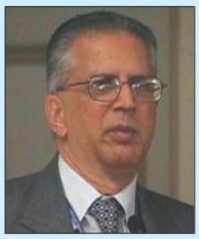
दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अपने भारी दायित्त्वों के अलावा आतंकवाद, साइबर क्राइम, बड़े स्तर के यातायात प्रबंधन, अतिविशिष्ट व्यक्तियों के आवागमन व विशाल कानून व्यवस्था बनाए रखने की नई–नई चुनौतियों को अपने उत्कृष्ट पेशेवर तरीकों से सफलतापूर्वक निभा रही है। इसे निरंतर सतर्क रहकर और आधुनिक तकनीक का अनुसरण करते हुए ही पूरा किया जा सका है। दिल्ली पुलिस दिल्लीवासियों की सुरक्षा और विश्वास की भावना बनाए रखने की अपनी भूमिका में निरंतर सफल रही है। मैं विश्वस्त हूँ कि दिल्ली पुलिस दिल्ली को सुरक्षित स्थान बनाए रखने में दोगुना प्रयास करेगी। दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस की सफलता के लिए मैं सभी अधिकारियों एवं जवानों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देता हूँ।

श्री पी. चिदम्बरम्
माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री



16 फरवरी, 2010 को दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर मैं, सभी स्तर के पुलिस अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए खुशी महसूस कर रहा हूँ। दिल्ली पुलिस सप्ताह के दौरान आम जनता व पुलिस के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने के अपने उद्देश्य में दिल्ली पुलिस सफल होगी। देश के सबसे ज्यादा पेशेवर एवं कार्यकुशल पुलिस बलों में दिल्ली पुलिस श्रेष्ठ पुलिस बल है और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सुरक्षा के लिए एक सुरक्षागार्ड के अपने दायित्त्व को बखूबी निभा रही है। एक समय जब देश आतंकवाद की भयावह स्थिति से लड़ रहा है, पुलिस बलों को स्वयं को नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना है। इस स्थिति में दिल्ली पुलिस ने निवासियों के मन में विश्वास की भावना जागृत की है और उनका भरोसा व सहयोग प्राप्त करते हुए सुरक्षा संबंधी धमकियों और सामान्य अपराध से लड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। गत वर्ष राष्ट्रमंडल खेल सफलतापूर्वक एवं शांति से सम्पन्न हुए। उस दौरान नागरिकों का सहयोग और नियमनिष्ठता लागू होने से यातायात प्रबंधन भी शानदार तरीके से निपटा।

श्री तेजेन्द्र खन्ना
माननीय उप–राज्यपाल, दिल्ली



दिल्ली पुलिस ने अपनी सेवा के 63 प्रतिष्ठित वर्ष पूरे किये हैं। आज के दिन दिल्ली पुलिस न केवल एक बड़ा पुलिस बल है बल्कि विश्व के सबसे जनसांख्यिक शहर के रक्षक के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। अपने पेचीदा प्रकृति के उत्तरदायित्वों को पूरा करने में निरंतन कठिन मेहनत की है। अपने इतिहास के अनुरूप दिल्ली पुलिस ने नागरिकों में विश्वास बनाने और दिल्ली को रहने का सुरक्षित स्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। मैं आश्वस्त हूँ कि दिल्ली पुलिस स्वयं इस स्थिति में है कि हर प्रकार की धमकियों और खतरों को नेस्तेनाबूत कर सके और राजधानी के नागरिकों की सुरक्षा एवं शांति बनाए रखने में सफल रहे। दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस की सफलता के लिए मैं सभी अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देता हूँ।

श्री जी.के. पिल्लई
माननीय केन्द्रीय गृह सचिव, भारत सरकार



दिल्ली पुलिस ने स्वयं को एक पेशेवर पुलिस बल के रूप में सिद्ध करते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को अपराध मुक्त रखने में पूरी वचनबद्धता और समर्पणता के साथ अपने दायित्त्व को निभाया है। असामाजिक तत्वों और देशविरोधी गतिविधियों से संबंधित अपराधों से लड़ने के अपने उत्तरदायित्त्व को बखूबी निभाया है। गत वर्ष अक्टूबर माह में आयोजित 19वें राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराकर दिल्ली पुलिस ने अपनी पेशेवर निपुणता का परिचय दिया और विशेष प्रशंसा प्राप्त की। मुझे विश्वास है कि दिल्ली पुलिस अपनी कार्यकुशलता को बढ़ाते हुए नागरिकों का सहयोग प्राप्त करने में सफल होगी। दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर मैं सभी पुलिस अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

श्री राकेश मेहता
माननीय मुख्य सचिव, दिल्ली सरकार



दिल्ली पुलिस दिल्ली में विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करती है जिनमें जनसंख्या और आवास जैसी समस्या भी शामिल है। इसके लिए दिल्ली पुलिस पूरे समर्पण, अनुशासन और निष्ठा की अनुभूति का अहसास कराती है। मैं सुनिश्चित हूँ कि दिल्ली पुलिस राजधानीवासियों को सुरक्षा उपलब्ध कराने में निरंतर कठिन कार्यों को अंजाम देगी और दिल्लीवासियों का विश्वास प्राप्त करने की दिशा में भी मजबूत होगी।

श्रीमती शीला दीक्षित
माननीय मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार



दिल्ली में निरंतर बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के अलावा सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक एवं संसाधनों की अभिलाशा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में होने वाले अपराधों के प्रति सकारात्मक सोच एवं विश्लेषण की जरूरत है। पिछले दिनों दिल्ली में हुई आपराधिक घटनाओं के बावजूद संगीन अपराधो में कमी लाने में हम सफल हुए हैं। दिल्ली में आपराधिक घटनाओं के लिए कुख्यात जगहों के अलावा अन्य जगहों पर पुलिसकर्मियों की संख्या और सड़कों पर दृश्यता को बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा के प्रति और ज्यादा संवेदनशील होने के साथ–साथ दिल्ली पुलिस की अन्य योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। दिल्ली में महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों, कमजोर वर्ग और असहाय लोगों की सुरक्षा के प्रति दिल्ली पुलिस कटिबद्ध है। 64वें पुलिस स्थापना दिवस पर सभी पुलिस अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए अपने कर्त्तव्य को और अधिक कुशलता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ निष्पादित करने का आह्वान करता हूँ।

श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता
पुलिस आयुक्त, दिल्ली

"दिल्ली पुलिस को मॉडल पुलिस के रूप में तैयार किया जाए जिसका अन्य राज्यों की पुलिस भी अनुसरण कर सके।"

प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह
(आंतरिक सुरक्षा पर दिल्ली में आयोजित मुख्यमंत्रियों की बैठक के दौरान)

"मेरा मानना है कि अतंरराष्ट्रीय मापदंडों के आधार पर और दिल्ली पुलिस की सार्थक पोलिसिंग व्यवस्था से दिल्ली में अपराध का ग्राफ नीचे आया है। दिल्ली में लगभग दो करोड़ की आबादी के हिसाब से भा.दं.सं. के तहत दर्ज आपराधिक मामलों को अगर एक साथ लें तो राजधानी दिल्ली में प्रति एक लाख की आबादी पर अपराध दर 1999 में जहाँ 437.48 थी वह घटकर 281.34 रह गयी है।"

गृहमंत्री श्री पी. चिदंबरम (5.1.2011)

"आपराधिक घटनाओं पर काबू पाने के लिए आम जनता को भी आगे आना होगा। उन्हें भी अपनी जिम्मेवारी समझनी होगी। लोग अपराध एवं अपराधियों से लड़ने में पुलिस की मदद करें। पुलिस उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए सदैव तत्पर है।"

पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता
(वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए)

अच्छी तफ्तीश – अच्छी कामयाबी

चंड़ीगढ़ तनिश्क ज्वैलरी शो-रूम की सनसनीखेज डकैती की वारदात सुलझाने में दिल्ली पुलिस की दक्षिणी जिला पुलिस व चंड़ीगढ़ पुलिस की सयुंक्त टीम को उल्लेखनीय सफलता



दिल्ली पुलिस की दक्षिणी जिला पुलिस व चंडीगढ़ पुलिस ने 11–12 जनवरी की रात मणि माजरा, चंडीगढ़ में हुई तनिष्क ज्वैलरी शोरूम की संगीन व सनसनीखेज वारदात को सुलझाकर आपसी सामंजस्य एवं सूचनाओं के आदान–प्रदान की महत्ता को सार्थक करते हुए एक अनुकरणीय सफलता हासिल की है। दिल्ली पुलिस के इतिहास में शायद यह पहली बार हुआ है कि 8 लुटेरों को गिरफ्तार करने के साथ–साथ उनके कब्जे से लूट के सम्पूर्ण जेवरात (18 किलो सोने के ब्रेसलेट, चूड़ियाँ, हार, चेन आदि, 2 किलो 600 ग्राम के हीरे के आभूषण)





बरामद करने तथा हरियाणा के कोंडली इलाके में स्थित एक गोदाम से लूटे गये नोकिया व सैमसंग कम्पनी के एक करोड़ रुपये मूल्य के 1000 मोबाइल फोन ढ़ाई लाख रुपये नकद, चार पिस्टल, पुलिस की वर्दी, गैस कटर, सोना गलाने के उपकरण व रसायन तथा टाटा 407 टैम्पो आदि की ऐतिहासिक बरामदगी हुई है। इस मामले में दोनों पुलिस टीमों की उच्च श्रेणी की ईमानदारी, अपने पेशे के प्रति समर्पण भाव व दृढ़ कर्त्तव्यनिष्ठा न केवल प्रंशसनीय है बल्कि अनुकरणीय भी है।

इस अति संवेदनशील एवं सनसनीखेज वारदात का खुलासा होने पर **पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता व चंडीगढ़ के आई.जी. श्री प्रदीप श्रीवास्तव** ने पुलिस मुख्यालय में 16 जनवरी को संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित किया। इस अवसर पर **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, एसएसपी चंडीगढ़ श्री नौनिहाल सिंह, उपायुक्त पुलिस दक्षिणी जिला श्री हरगोविन्द सिंह धालीवाल** के अलावा दोनों टीमों के सदस्य उपस्थित थे।

घटना का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए श्री धालीवाल ने बताया कि 11–12 जनवरी की रात 12 अभियुक्तों ने मिलकर चंड़ीगढ़ स्थित तनिष्क शोरूम से लगभग 13 करोड़ रुपये मूल्य के जेवरात लूट लिये थे। शोरूम के मालिक श्री अनिल गोयल ने चंडीगढ़ के मणि माजरा पुलिस स्टेशन में लूट की शिकायत दर्ज कराई। चूंकि दक्षिणी जिला के उपायुक्त पुलिस हरगोविन्द सिंह धालीवाली चंडीगढ़ में तैनात रह चुके है और वहाँ के एसएसपी श्री नौनिहाल सिंह के बैचमेट भी हैं, इसीलिए उन्हें इस मामले में सहयोग करने और सूचनाएँ शेयर करने का अनुरोध किया गया। इसके अलावा चंडीगढ़ के आईजी श्री प्रदीप श्रीवास्तव ने भी पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता को इस मामले में सम्पर्क कर जाँच में सहयोग के लिए कहा। दक्षिणी जिला के वाहन चोरी निरोधक दस्ते के एसआई बलिहार सिंह व हैडकांस्टेबल राकेश तोमर की सटीक मुखबरी व इलैक्ट्रॉनिक सर्विलैंस की मदद इस मामले को सुलझाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुई। कुछ पुख्ता सबूतों के आधार पर आगे बढ़ते हुए चंडीगढ़ व दक्षिणी जिला पुलिस ने उत्तर प्रदेश के पिलखुआ इलाके से पारस सोनी (26), मानव सोनी (24), भूरा कुरैशी (28), उपेन्द्र सिंह उर्फ ओ.पी., अनिल कुमार, अजय सिंह, भूरा तोमर तथा सोनू राघव को दबोचने में सफलता हासिल की। इस वारदात का मास्टरमाइंड व गिरोह सरगना दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके में रहने वाला पारस सोनी था। अभियुक्तों ने दिल्ली के आजाद मार्केट से पुलिस की वर्दी और पहचान छुपाने के लिए मंकी कैप खरीदी थी। अभियुक्तों ने अर्धरात्रि के करीब गार्ड दीनानाथ को नींद की गोली खिलाकर उसे निकट के श्मशान में फेंक दिया और कुछ ही मिनटों में शटर तोड़ कर शोरूम में रखे करोड़ों रुपये मूल्य के सोने व हीरे के आभूशण टाटा 407 में भरकर दिल्ली की ओर भाग आए थे। इस घटना को सुलझाने पर दिल्ली पुलिस को उसकी उत्कृष्ट कार्यशैली व पेशेवर निपुणता के लिए काफी सराहा गया।

दोहरे सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल 7 इनामी बदमाश गिरफ्तार

अपराध शाखा के एसीपी श्री रवि शंकर व इंस्पैक्टर वीरेन्द्र दलाल, इंस्पैक्टर पी.सी. खंडूरी, इंस्पैक्टर सुरेश कुमार, इंस्पैक्टर संदीप मल्होत्रा, एसआई नरेश शर्मा, एसआई अरुण नेहरा, एसआई रमेश शर्मा, एसआई हरबीर सिंह, एसआई प्रमोद तोमर, एसआई आर. श्रीनिवासन, एसआई रणवीर, एएसआई जगत कुमार तथा एएसआई राजबीर सिंह की टीम ने गत वर्ष 20 दिसम्बर को मायापुरी में कॉपर का कारोबार करने वाले दो भाईयों सुरेश व सत्येन्द्र की हत्या की गुत्थी सुलझाने में दिन–रात अथक मेहनत करते हुए उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। घटना वाले दिन दोनों भाई रात्रि 9:30 बजे के करीब अपनी गाड़ी से घर की तरफ जा रहे थे कि पपरावट गाँव के पास राव मानसिंह स्कूल के निकट मुँह ढ़के कुछ बाइक सवार लोगों ने उनकी कार को जबरन

शेष अगले पृष्ठ पर...

अच्छी तफ्तीश – अच्छी कामयाबी

पिछले पृष्ठ का शेष...

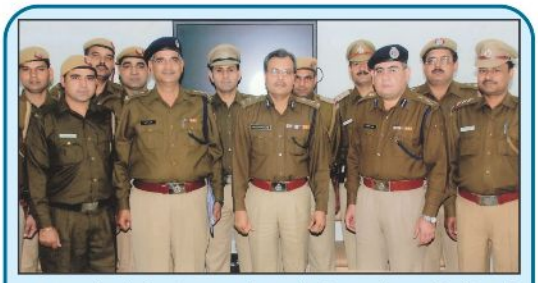
रुकवाकर उन्हें निकट से गोली मार दी। पुलिस टीम ने गहन छानबीन करते हुए 23 जनवरी को द्वारका इलाके से वैगन–आर कार में सवार 4 बदमाशों को दबोचा जिन पर दक्षिण–पश्चिमी जिला पुलिस ने 50–50 हजार रुपये इनाम घोषित किया हुआ था। बदमाशों के कब्जे से दो अतिसंवेदनशील हथियार, एक देशी कट्टा मय 16 जिंदा कारतूस, एक मारुति वैन, वैगन–आर, स्कूटर, 6 मोबाइल फोन तथा कई सिम कार्ड बरामद किये गये हैं। जाँच के दौरान पता चला कि गिरोह सरगना नवीन खाती ने वर्ष 2007 में मृतक सुरेश से पौने दो लाख रुपये उधार लिये थे और गारंटी के तौर पर अपने चाचा ओमप्रकाश से लेकर एक चैक सुरेश को दिया था। काफी समय तक पैसा नहीं लौटाये जाने पर सुरेश ने चैक बैंक में डाल दिया। बांउस होने पर उसने ओमप्रकाश के खिलाफ दावा कर दिया। इसी बात से खफा होकर नवीन ने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों भाईयों की हत्या कर दी।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

स्पेशल सेल की टीम ने महेन्द्र सिंह नामक एक हत्याभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जिसकी गिरफ्तारी पर हरियाणा पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। गिरफ्तार अभियुक्त ने वर्ष 2004 में अपने चाचा खेलूराम निवासी गाँव–कंसाला, थाना–साँपला, जिला–रोहतक की कृषि भूमि हथियाने के चक्कर में हत्या कर दी थी। पुलिस टीम अभियुक्त को गाजीपुर फ्लाई–ओवर के निकट से गिरफ्तार करने में सफल हुई।

झपटमारों पर भारी पड़ी श्रीमती कोमल की बहादुरी

सफदरगंज एन्क्लेव निवासी **श्रीमती कोमल पहलजानी** (45) नामक महिला ने 29 सितंबर 2010 की शाम दो झपटमारों का डटकर मुकाबला करते हुए न केवल अपने कीमती सामान को बचाया बल्कि बदमाशों को गिरफ्तार कराने में अनुकरणीय बहादुरी का परिचय दिया। ग्रीन पार्क स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत श्रीमती कोमल घटना वाले दिन बैंक से पैदल ही अपने घर के निकट जा रही थी कि यशलोक अस्पताल के निकट अचानक दो बाइक सवार बदमाशों ने बैग झपटने का प्रयास किया। श्रीमती कोमल ने तत्काल पीछे बैठे एक बदमाश को मजबूती से पकड़ लिया और शोर मचा दिया। इस झपटमार ने कोमल के चंगुल से मुक्त होने के लिए देशी कट्टे के बट से उनके सिर में कई वार कर दिया। घायल होने के बावजूद कोमल ने इस बदमाश को दबोचे रखा। संयोगवश उसी समय **थानाध्यक्ष अवतार सिंह** वहाँ से गुजर रहे थे उन्होंने राशिद नामक एक झपटमार को मौके पर ही पकड़ लिया जबकि मोटरसाइकिल सवार फरार दूसरे बदमाश की पहचान बिजनौर निवासी सोनू के रूप में हुई। पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में श्रीमती कोमल को **पुलिस आयुक्त श्री बी. के. गुप्ता** द्वारा स्वीकृत 50 हजार रुपये नकद व प्रशंसा पत्र **दक्षिणी जिला के उपायुक्त पुलिस श्री हरगोविन्द सिंह धालीवाल** ने सौंप कर सम्मानित किया। पुलिस आयुक्त श्री गुप्ता ने श्रीमती कोमल की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए दिल्लीवासियों को ऐसी बहादुरी से प्रेरणा लेने की अपील की।



28 जनवरी को चितरंजन पार्क इलाके से एच.डी.एफ.सी. बैंक की कैश वैन से 67 लाख रुपये लूट की सनसनीखेज वारदात को सुलझाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाली जांबाज़ पुलिस टीम के सदस्य **एसीपी महिपाल सिंह, इंस्पैक्टर अखिलेश यादव, इंस्पैक्टर अजय शर्मा, इंस्पैक्टर हरीश चन्द्र, एसआई ब्रिजेश मलिक, आशीष दलाल, हैडकां॰ जीत सिंह, कां॰ राजीव, सुशील कुमार व सतीश**। इस संबंध में 5 फरवरी को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक व अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री वीरेन्द्र चहल** ने घटना के बारे में विस्तार से बताया कि साइंटिफिक सिक्योरिटी मैनेजमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से नौकरी पर रखे गये सुरक्षा गार्ड संदीप तथा चालक गौतम ने घटना के मास्टरमांइड अरुण के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। स्पेशल सेल व दक्षिण–पूर्वी जिला की दोनों पुलिस टीमों ने ही इस मामले को सलुझाने में उल्लेखनीय कार्यकुशलता व पेशेवर निपुणता का परिचय दिया। इंस्पैक्टर अखिलेश यादव के नेतृत्व में एसआई ब्रिजेश मलिक व हैडकां॰ जीत सिंह ने एटा जिले के गाँव नगरिया डुमरी से भूसे के ढ़ेर में दबाए गए लूट के 63.5 लाख रुपये बरामद किए।

विश्व कप क्रिकेट मैच के दौरान सट्टेबाज गिरफ्तार

अपराध शाखा की पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि 19 फरवरी से विश्व कप क्रिकेट मैच का आगाज होने से दिल्ली में सट्टेबाज सक्रिय हो गये हैं। पुलिस टीम सतर्क हुई और 19 फरवरी को पहले ही दिन भारत व बांग्लादेश के बीच खेले गये क्रिकेट मैच में पीतमपुरा, रोहिणी व करोल बाग इलाकों में सक्रिय सट्टेबाजों के ठिकानों पर दबिश की। इस संबंध में **उपायुक्त पुलिस (अपराध) श्री अशोक चाँद** ने संवाददाताओं को बताया कि **अति॰ उपा॰ पुलिस संजय भाटिया** की देखरेख में **एसीपी उदयवीर सिंह राठी** की टीम ने करोल बाग इलाके में स्थित एक होटल से चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो लैपटॉप, 18 मोबाइल फोन, दो कैलकुलेटर तथा एक एलसीडी बरामद की। इन लोगों ने एक करोड़ 15 लाख रुपये का सट्टा लगाया हुआ था। इसके साथ ही **अति॰ उपा॰ पुलिस डॉ॰ जॉय टिर्की** की टीम ने रोहिणी स्थित एक फ्लैट पर छापा मार कर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो एलसीडी टीवी, एक लैपटॉप, 6 मोबाइल फोन, एक प्रिंटर, एक डाटा कार्ड तथा 53 लाख सट्टे की पर्चियाँ बरामद की हैं। पीतमपुरा से भी दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक टीवी, 6 मोबाइल व एक करोड़ 10 लाख रुपये की सट्टे की पर्चियाँ बरामद की हैं।

शिकायतकर्ता ही नहीं बल्कि मुजरिम भी ले सकेंगे नेट से एफ.आई.आर.

पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी जिला/यूनिट के अतिरिक्त आयुक्त पुलिस/उपायुक्त पुलिस को जारी परिपत्र संख्या 934–51/एस.सी.आर.बी. दिनांक 30 जनवरी, 2011 के अनुसार 1 फरवरी, 2011 से दर्ज होने वाली एफ.आई.आर. की प्रति पुलिस की वेबसाइट www.delhipolice.nic.in पर थानों से अपलोड की जा रही है। माननीय उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका के सन्दर्भ में माननीय न्यायालय ने पुलिस आयुक्त, दिल्ली को निर्देश जारी किये थे कि सभी थानों में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट दिल्ली पुलिस की वेबसाइट पर लोड की जानी चाहिए। इस सन्दर्भ में पुलिस मुख्यालय द्वारा परिपत्र सं॰ 4/2011/ 459–558/रिकॉर्ड ब्रांच, पी.एच.क्यू. दिनांक 20.01.2011 जारी किया गया था। 1 फरवरी, 2011 से लागू हुई इस व्यवस्था में कुछ बिंदुओं पर कदम उठाना सुनिश्चित किया गया है। एक नये विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से थानों में दर्ज होने वाली एफ.आई.आर. को अपलोड करने के लिए सभी पुलिस स्टेशनों को थाना कमला मार्केट में स्थित एस.सी.आर.बी. (स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो) के केन्द्रीय सर्वर से जोड़ा गया है। थानों में पहले से ही स्थापित सीपा (कॉमन इंटीग्रेटिड पुलिस एप्लीकेशन) को कमला मार्केट में स्थित एस.सी.आर.बी. केन्द्रीय सर्वर से जोड़ दिया गया है। सीपा के कोर ग्रुप ने आंशिक ट्रेनर्स को ट्रेनिंग देकर ट्रेंड किया जिन्होंने बाद में प्रत्येक पुलिस स्टेशन में सीपा में कार्यरत पुलिस कर्मचारियों को कनेक्टिविटी और एफ.आई.आर. डाटा अपलोड करने में ट्रेंड किया। परिपत्र में सभी जिला/यूनिट के उपायुक्तों को सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उनके अधिकार क्षेत्र के पुलिस स्टेशनों में निर्धारित समय 24 घंटों के अन्दर एफआईआर, एस.सी.आर.बी. केन्द्रीय सर्वर में अपलोड हो जानी चाहिए। वर्गीकृत संवेदनशील (सेंसिटिव) एफआईआर को अपलोड न करने का अधिकार संबंधित उपायुक्त पुलिस का होगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद, बलात्कार, छेड़छाड़ और फिरौती के लिए अपहरण आदि जैसे संगीन मामलों की एफआईआर अपलोड नहीं होगी जबकि चोरी सेंधमारी, लूटपाट, झपटमारी, आपसी लड़ाई में हत्या जैसी वारदातों की एफआईआर अपलोड की सकेगी। आम नागरिक तय फीस अदा करके एफआईआर की प्रति ले सकेगा। इसके लिए पुलिस स्टेशन व जिला उपायुक्त कार्यालय में उपलब्ध निर्धारित फॉर्म भरकर देना होगा। यदि कोई नामजद व्यक्ति अपनी गिरफ्तारी के डर से खुद आकर एफआईआर नहीं लेना चाहता है तो वह अपने वकील या किसी अन्य प्रतिनिधि को भेजकर इसे हासिल कर सकता है।

प्रत्येक पुलिस स्टेशन में थानाध्यक्ष की देखरेख में एक रजिस्टर होगा जिसमें एफआईआर अपलोड करने का विवरण जैसे–एफआईआर नं॰, दिनांक, धारा, अपलोड करने का समय व तिथि, सेंसिटिव हाँ/नहीं, संबंधित जिला अधिकारी द्वारा एफआईआर संवेदनशील वर्गीकृत किये जाने संबंधी आदेश, ऑपरेट करने वाले अधिकारी व कर्मी का नाम, नं॰, पीआईएस नं॰ तथा समय व तिथि के साथ थानाध्यक्ष के हस्ताक्षर दर्ज होंगे। कम्प्यूटर हार्डवेयर, यू.पी.एस., स्कैनर, प्रिंटर, टेलीफोन आदि का उचित रखरखाव थानाध्यक्ष द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अलावा किसी भी तकनीकी खराबी आदि के लिए अलग से रजिस्टर रखा होगा जिसमें तकनीकी खराबी का पता लगने का समय/तिथि, खराबी की प्रकृति, मरम्मत के लिए क्या कार्यवाई की गई, अथॉरिटी जिसमें शिकायत दर्ज करायी गई, ऑपरेटर का नाम, सं॰, पीआईएस नं॰ तथा थानाध्यक्ष के हस्ताक्षर के कॉलम होंगे। ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी ब्रेकडाउन 24 घंटे से ज्यादा होने पर इंस्पैक्टर सीसीटीएनएस को टेलीफोन नं॰ 23341678 व ई–मेल cipa-hq-dl@nic और एससीआरबी हैल्पलाइन 23237008 के अलावा महानगर टेलीफोन निगम को 23752820 व 23752821 पर शिकायत दर्ज करायी जायेगी। सिस्टम में आई तकनीकी खराबी दुरुस्त नहीं हो पाने की स्थिति में 24 घंटे के अन्दर निकट के दूसरे पुलिस स्टेशन से एफआईआर अपलोड कराना थानाध्यक्ष का उत्तरदायित्व होगा।

इसी संदर्भ में जिला के अतिरिक्त आयुक्त/उपायुक्त पुलिस द्वारा किसी अभियुक्त को एफ.आई.आर. की प्रति न दिये जाने के निर्णय के खिलाफ प्राप्त शिकायत की सुनवाई के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। विशेश पुलिस आयुक्त, विजिलेंस (चेयरमैन), संयुक्त पुलिस आयुक्त, विजिलेंस (सदस्य) तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त, अपराध (सदस्य) की तीन सदस्यीय कमेटी शिकायत प्राप्ति के 3 दिन के अंदर निर्णय लेगी। इस संबंध में परिपत्र संख्या 5/2011, 559–658/रिकॉर्ड ब्रांच, पी.एच.क्यू. दिनांक 28.01.2011 जारी किया गया है।

साझा सहयोग बढ़ाने की दिशा में इंटर–स्टेट कोऑर्डिनेशन बैठक



पुलिस आयुक्त **श्री बी.के. गुप्ता** की अध्यक्षता में **18 जनवरी, 2011** को पुलिस मुख्यालय में एक इंटरस्टेट को–ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक आयोजित हुई। आपसी सामंजस्य बढ़ाने, सूचनाओं का आदान–प्रदान करने व परस्पर तलाशी अभियानों को और मजबूत बनाने की दिशा में बुलाई गई इस बैठक में दिल्ली पुलिस विशेष पुलिस आयुक्त व संयुक्त पुलिस आयुक्त स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ फरीदाबाद, रोहतक, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, अलवर, उत्तराखंड तथा जम्मू कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान इंटेलिजेंस इनपुट शेयर करने, वाहनों व किरायेदारों की चैकिंग करने, बॉर्डर पर संयुक्त चैकिंग करने के अलावा आतंकवादी व खूँखार बदमाशों के पनाह लेने की स्थिति में सूचनाएँ आदान–प्रदान करने पर विचार–विमर्श किया गया।

पुलिस परिवार को फख्र है अपने 17 पुलिस पदक विजेताओं पर

26 जनवरी, 2011 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस के 17 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को शौर्य के लिए, विशिष्ट सेवाओं के लिए तथा सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें इंस्पैक्टर राजेन्द्र सिंह, इंस्पैक्टर जरनैल सिंह तथा हैडकां॰ सतेन्द्र कुमार को शौर्य के लिए (3), संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) श्री ताज हसन व एएसआई रेवतराम को विशिष्ट सेवाओं के लिए (2) तथा इंस्पैक्टर अनिल कुमार मित्तल, एसआई कालीचरण, एएसआई पुष्पा, एएसआई उदयवीर शर्मा, हैडकांस्टेबल विरेन्द्र सिंह, हैडकांस्टेबल भोजराज सिंह, महिला हैडकांस्टेबल ज्ञान अम्बा, कां॰ निहाल सिंह, कां॰ गिरीश कुमार सिंह, कां॰ हरीकिशन, कां॰ कुसमपाल सिंह, कां॰ घनश्याम दास तथा कां॰ सतपाल (12) को सराहनीय पुलिस के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

शौर्य के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित


इंस्पैक्टर राजेन्द्र कुमार


इंस्पैक्टर जरनैल सिंह


हैडकां॰ सतेन्द्र कुमार

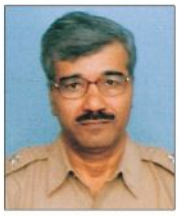
विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित


संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन


एएसआई श्री रेवंत राम

सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित


इंस्पैक्टर अनिल कुमार मित्तल


एसआई कालीचरण


एएसआई पुष्पा


एएसआई उदयवीर शर्मा


हैडकां॰ वीरेन्द्र सिंह


हैडकां॰ भोजराज सिंह


म॰ हैडकां॰ ज्ञान अम्बा


कां॰ गिरीश कुमार सिंह


कां॰ कुसुमपाल सिंह


कां॰ सतपाल

सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल व हैडकांस्टेबल पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



पुलिस आयुक्त श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता ने **12 फरवरी** को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह मे विभिन्न जिलों के सर्वश्रेष्ठ 16 हैडकांस्टेबल व कांस्टेबलों को दो–दो हजार रुपये नकद व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संबंधित जिलों के अतिरिक्त आयुक्त पुलिस व उपायुक्त पुलिस भी उपस्थित थे। यह प्रोत्साहन इन पुलिसकर्मियों को थाना स्तर पर बीट व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से उनके द्वारा किये गये कार्यों का त्रैमासिक आंकलन कर दिया गया है। अपनी बीट में अच्छी सुरक्षा व्यवस्था व लोगों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने वाले बीट कांस्टेबलों का चयन कर संबंधित जिला अतिरिक्त आयुक्त/उपायुक्त पुलिस द्वारा प्रत्येक माह "सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल" के रूप में चयन कर पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कृत होने वाले पुलिसकर्मियों में शामिल हैं: अपराध एवं रेलवे से **हैडकां॰ सुरेन्द्र सिंह, हैडकां॰ यशपाल सिंह तथा कां॰ अनिल भाटी**, थाना बाराखम्बा रोड से **कां॰ इकबाल सिंह** तथा थाना कनाट प्लेस से **कां॰ जितेन्द्र सिंह**, थाना अलीपुर से **कां॰ भीम सिंह** तथा थाना सुलतानपुरी से **कां॰ बिजेन्द्र कुमार**, थाना हौजखास से **हैडकां॰ इस्लामुद्दीन**, थाना बिदांपुर से **हैडकां॰ हरफूल सिंह**, थाना गोविन्दपुरी से **हैडकां॰ नरेन्द्र**, थाना पंजाबी बाग से **कां॰ बिजेन्द्र कुमार**, थाना फर्श बाजार से **कां॰ आदेश कुमार**, थाना राजेन्द्र नगर से **कां॰ मनोज कुमार**, थाना गोकुलपुरी से **हैडकां॰ रविन्द्र कुमार**, थाना केशवपुरम् से **हैडकां॰ ओमपाल** तथा उत्तरी जिला से **हैडकां॰ राजकुमार**। पुरस्कृत होने वाले पुलिसकर्मियों को कहना था कि इस तरह पुरस्कृत होना हमारे लिए ही नहीं बल्कि हमारे परिजनों के लिए गर्व की बात है और इससे हमारा मनोबल भी बढ़ेगा। हम और ज्यादा मेहनत व लगन से अपना काम करेंगे और साथी पुलिसकर्मियों के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता का संचार होगा।

पुलिसकर्मी असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानितः– पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने दक्षिणी जिला में तैनात इंस्पैक्टर जयप्रकाश, हैडकांस्टेबल देवेन्द्र, हैडकां॰ लाभ सिंह, हैडकां॰ हरजीत सिंह, हैडकां॰ बनी सिंह, हैडकां॰ सुरेन्द्र, हैडकां॰ प्रदीप तथा हैडकां॰ अजीत को असाधारण कार्य पुरस्कार तथा प्रत्येक को 10–10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। इन पुलिसकर्मियों ने अपने अथक प्रयासों से हरियाणा तथा दिल्ली के आसपास सक्रिय कार जैकर्स के एक कुख्यात गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन अभियुक्तों सुनील पुत्र ताराचन्द, सत्याराव उर्फ सत्ते पुत्र घनश्याम तथा जसबीर उर्फ बबलू पुत्र दयानन्द को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के तीन वाहन बरामद किये थे।

जामा मस्जिद के निकट ताईवानी पर्यटकों पर फायरिंग करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी पर 30 लाख तथा विस्फोट में शामिल अभियुक्तों के बारे में सुराग देने वालों को 25 लाख रुपये पुरस्कार की घोषणा

पुलिस मुख्यालय द्वारा **17 फरवरी, 2011** को जारी आदेश संख्या 5911–61/C&T (AC-III)/PHQ के अनुसार पुलिस आयुक्त दिल्ली ने थाना जामा मस्जिद इलाके में हुई **गोलीबारी के मामले में दर्ज** एफ.आई.आर. सं॰ **65/2010 दिनांक 19.09.2010** (धारा 307 तथा 27 शस्त्र अधिनियम) के मामले में कोई सूचना या सुराग देने वाले व्यक्ति / व्यक्तियों को **30 लाख रुपये पुरस्कार** देने की घोषणा की है। इससे पहले इस मामले में पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश संख्या 41086–185/सी.एंड.टी एसी–111/पी.एच.क्यू. दिनांक 6.10.2010 के अनुसार सूचना देने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों को **10 लाख रुपये पुरस्कार** देने की घोषणा की गई थी। इसे बढ़ाकर 10 से 30 लाख रुपये किया गया है। **गत वर्ष 19 सितम्बर** को दो बाइक सवारों ने जामा मस्जिद गेट नं॰ 3 के निकट एक पर्यटक बस नं॰ डी.एल. आई.पी.सी.–2229 से उतरते समय दो ताईवानी पर्यटकों को गोली मार कर घायल कर दिया था। 19 सितम्बर, 2010 को उसी दिन दोपहर **लगभग 2 बजे जामा मस्जिद के निकट खडी एक मारुति कार में आग लगने से मामूली विस्फोट** भी हुआ था। इस संबंध में एफ.आई.आर नं॰ **66/2010 दिनांक 19.09.2010 के तहत धारा 3/4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना जामा मस्जिद** में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस आयुक्त, दिल्ली इस बम विस्फोट के मामले में कोई सुराग या सूचना देने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों को रुपये **25 लाख पुरस्कार** देने की घोषणा की है। एक वर्ष की अवधि के लिए घोषित इस पुरस्कार के लिए एक से अधिक दावेदार होने पर पुरस्कार किस अनुपात में वितरित किया जाए, यह अधिकार पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने अपने पास सुरक्षित रखा है। दिल्ली पुलिस के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी अभियुक्त के बारे में कोई सूचना या सुराग देने वाले को इतनी भारी राशि के पुरस्कार की घोषणा की गई हो।

श्रद्धांजलि

नवम्बर–दिसम्बर माह के दौरान विभिन्न पदों पर कार्यरत हमारे 37 पुलिसकर्मी सेवाकाल के दौरान इस संसार से बिछुड़ गये हैं। असमय बिछुड़ गये अपने इन साथियों के आश्रितों के प्रति पुलिस परिवार अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है।

नवम्बर माह के दौरान दिवंगत पुलिसकर्मीः– एसआई दयानन्द (प्रथम वाहिनी), एएसआई ड्राइवर कदम सिंह (पीसीआर), एएसआई श्रीकिशन (उत्तर–पूर्वी जिला), एएसआई बिशम्बर सिंह(उत्तर–पूर्वी जिला) हैडकां॰ मिनिस्ट्रियल अशोक कुमार (पीसीआर), हैडकां॰ दलजीत सिंह (बाहरी जिला), हैडकां॰ राजबीर सिंह (तृतीय वाहिनी), हैडकां॰ श्री भगवान सिंह (पश्चिमी जिला), हैडकां॰ हुक्म सिंह (उत्तर–पूर्वी जिला), . कां॰ बाबू. वी.के (सातवीं वाहिनी).कां॰ यशवंत लाकड़ा (ट्रैफिक)कां॰ भूपेन्द्र कुमार (तृतीय वाहिनी), कां॰ वीरेन्द्र सिंह (पीसीआर) तथा कां॰ माइकल बास्को.सी (मध्य जिला).

दिसम्बर माह के दौरान दिवंगत पुलिसकर्मीः:– एसीपी श्री अशोक कुमार (ट्रैफिक), एसआई दलबीर सिंह (पीटीसी झाडौदा कंला), एएसआई वेदप्रकाश (विशेश ब्रांच), एएसआई रामकिशन (पी.एंड एल), हैडकां॰ नेत्रपाल सिंह (महिला अपराध निरोधक शाखा), हैडकां॰ राजकुमार (सुरक्षा), हैडकां॰ महेशचंद (संचार शाखा), हैडकां॰ जगननाथ (दक्षिण–पूर्वी जिला), हैडकां॰ ग्यासीलाल मीणा (दक्षिण–पश्चिमी जिला), हैडकां॰ कृश्ण कुमार (पीसीआर), कां॰ भूप सिंह (ट्रैफिक), कां॰ बिजू.एम.जे.(ट्रैफिक), कां॰ गोविन्द सिंह (पश्चिमी जिला), कां॰ अजय बरला(उत्तरी जिला), कां॰ रमेशन एन. (पीसीआर), कां॰ विनोद कुमार (आईजीआईएयरपोर्ट), कां॰ रूद्रा सिंह (पीसीआर), महिला कां॰ सीमा (दक्षिण पश्चिमी जिला), कां॰ सुन्दर लाल (12वीं वाहिनी), कां॰ चन्दरभान (मध्य जिला) तथा कां॰ सचिन कुमार तोमर (दक्षिण–पश्चिमी जिला).

स्थानांतरण, तरक्की एवं स्थाईकरण

स्थानांतरणः– **श्री आलोक कुमार वर्मा** (79) पुद्दुचेरी से पदमुक्त होने पर विशेष पुलिस आयुक्त (सतर्कता).

श्री एस. निथ्यानंदम (86) संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात, मुख्यालय) से संयुक्त पुलिस (एस.पी.यूडब्लूसी)

श्री शांति कुमार जैन (80) विशेश पुलिस आयुक्त (विजिलेंस) को 31 जनवरी, 2011 से दिल्ली सरकार के जन–शिकायत आयोगन में सेवा के लिए पदमुक्त किया गया है।

पदोन्नतिः– पुलिस मुख्यालय द्वारा 4 फरवरी, 2011 को जारी आदेश संख्या 7648/सीबी के अनुसार 37 हैडकांस्टेबल (मिनिस्ट्रियल) को एएसआई (मिनिस्ट्रियल) पद पर पदोन्नत किया गया है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार 233 एएसआई (एक्जीक्यूटिव) को एस.आई (एक्जीक्यूटिव) के पद पर पदोन्नत किया है।

दिल्ली पुलिस के इतिहास पर एक नजर



दिल्ली पुलिस के पहले कोतवाल मलिक–उल–उमरा फकरुद्दीन 1237 में नियुक्त हुए और उनका मुख्यालय किला राय पिथौरा (महरौली) में था। उसके बाद 1297 में अल्लाउद्दीन खिलजी ने मलिक उल–मुल्क को नया कोतवाल नियुक्त किया। कोतवाल की नियुक्ति का सिलसिला 1857 तक चला। वर्तमान पुलिस व्यवस्था पुलिस अधिनियम 1861 के आधार पर स्थापित हुई। उस समय दिल्ली पंजाब के अम्बाला जिले का एक हिस्सा हुआ करती थी। वर्ष 1912 में पहले चीफ पुलिस कमिश्नर नियुक्त हुए और उन्हें इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के अधिकार सौंपे गये। उस समय पुलिस बल में 1 एसपी, 2 डिप्टी एसपी, 2 इंस्पेक्टर, 27 सबइंस्पैक्टर, 40 हैडकांस्टेबल, 985 कांस्टेबल तथा 28 घुड़सवार शामिल थे। 16 फरवरी, 1948 को पहला आई.जी. पुलिस नियुक्त किया गया। इसी दिन को दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1966 में न्यायाधीश श्री जी.डी. खोसला की एक रिपोर्ट की संस्तुति के आधार पर 1 जुलाई, 1978 को दिल्ली पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किया गया। वर्तमान में दिल्ली पुलिस के कर्मियों की कुल संख्या 83761 है।

वर्तमान तीनमूर्ति ट्रैफिक पुलिस लाइन का संक्षिप्त इतिहास



वर्तमान तीनमूर्ति ट्रैफिक लाइन (17, मदर टेरेसा क्रिसेंट) की हैरिटेज बिल्डिंग वर्ष 1935 में दिल्ली पुलिस के स्वामित्व में आई। इस विरासत भवन में रॉबर्ट रोड पुलिस आउटपोस्ट बनाई जिसे बाद में अपग्रेड करते हुए वर्ष 1948 में तुगलक रोड, थाना परिसर में परिवर्तित किया गया। तुगलक रोड थाना अपनी वर्तमान बिल्डिंग में स्थानांतरित होने तक यानि वर्ष 1961 तक रॉबर्ट रोड आउट पोस्ट में कार्यशील रहा। वर्ष 1963 को इस भवन को नए अस्तित्व में आए चाणक्यपुरी पुलिस स्टेशन में परिवर्तित किया गया जिसके अन्तर्गत बहुत से डिप्लोमेटिक इन्कलेव आते थे। उसी दौरान चाणक्यपुरी थाने की नई बिल्डिंग अस्तित्व में आने के बाद वर्तमान चाणक्यपुरी थाना, रिजर्व पुलिस लाइन व जिलों की शाखा आदि को नई बिल्डिंग में स्थानांतरित करते हुए



इस स्थान को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस परिसर में परिवर्तित कर दिया गया। पिछले 48 वर्षों तक इस हैरिटेज बिल्डिंग में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस लाइन का कार्यालय संचालित रहा। परन्तु इस वर्ष जनवरी, 2011 में दिल्ली पुलिस द्वारा इस हैरिटेज बिल्डिंग का सौंदर्यीकरण करते हुए इसे पुनः अपने मूल अस्तित्व में लाया गया।

Regn. No. : R-43037/85

आजकल दिल्ली पुलिस में प्रचलित संक्षिप्त शब्दों का शाब्दिक अर्थ

AFPIS.....ऑटोमेटिक फिंगर व पॉम प्रिंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम

BPO .....बिजनेस प्रोसेस ऑउटसोर्सिंग

CCTNS.....क्राइम क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम

C 4-I.....इंटीग्रेटिड कमांड कंट्रोल कोऑर्डिनेशन एंड कम्यूनिकेशन सेंटर

CCC .....साइबर क्राइम सेल

CIPA.....कॉमन इंटीग्रेटिड पुलिस एप्लीकेशन

CLI .....कॉलर लैंडलाइन आइडेंटिफिकेशन

EOL .....एक्सट्रा ऑर्डिनरी लीव

GPS .....ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम

MBS .....मोबाइल ब्रॉडकास्ट सिस्टम

MPV.....मोबाइल पुलिस वैन

PQAB.....पुलिस क्वार्टर एलॉटमेंट बोर्ड

QST.....क्विक सर्विस ट्रांसमिशन

SIT .....स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम

SOS .....स्पेशल ऑपरेशन स्क्वायड

SCRB .....स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो

SPUW&C..स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर वूमैन एंड चिल्ड्रन

SPCA.....सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रूएल्टी अगेंस्ट एनीमल



6 जनवरी, 2011 को पुलिस आयुक्त **श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता ने 11, अलीपुर रोड** स्थित **राजपत्रित अधिकारी मैस** में **वार्षिक संवाददाता सम्मलेन** को सम्बोधित किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता के साथ मंच पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री अजय चड्डा, श्री बी.एस. बरार, श्रीमती विमला मेहरा, श्री रंजीत नारायण, श्री पी.एन. अग्रवाल, श्री एस.के. जैन तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, श्री करनैल सिंह, श्री धर्मेन्द्र कुमार तथा सत्येन्द्र गर्ग उपस्थित थे। इसके अलावा उपायुक्त पुलिस स्तर तक के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता ने गत वर्ष पुलिस द्वारा प्राप्त उपलब्धियों, विभागीय कल्याणकारी गतिविधियों और नए वर्ष की प्राथमिकताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

दिल्ली पुलिस में भर्ती के लिए ड्राइविंग लाइसेंस जरूरी

भविष्य में दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल से लेकर सब–इंस्पैक्टर पद पर भर्ती होने के इच्छुक अभ्यार्थियों के लिए निर्धारित शैक्षिक योग्यता के अलावा हल्के वाहन चालक का लाइसेंस होना भी अनिवार्य कर दिया गया है। यह नियम महिला अभ्यार्थियों पर लागू नहीं होगा। वर्तमान में दिल्ली पुलिस में लगभग 90 प्रतिशत हल्के वाहन एवं 10 प्रतिशत भारी वाहन शामिल हैं। भारी वाहनों के लिए चालक पद पर भर्ती जारी रहेगी। दिल्ली में बेहतर व आधुनिक पुलिसिंग व पैट्रोलिंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निपुण (स्किल्ड) जवानों की भर्ती पर जोर दिया जाएगा। मल्टी–टास्क यानि विभिन्न प्रकार के अपने दायित्त्वों में कुशल कर्मियों को शामिल करना है। ऐसे पुलिसकर्मी न केवल खुद गाड़ी चलाकर मौके पर पहुंच सकेंगे बल्कि सरकारी गाड़ी में पैट्रोलिंग व अन्य सरकारी काम भी कर सकेंगे।



इतिहास के पन्नों से

बिस्तरे चोरी

मुकदमा संख्या 2, धारा–380 भा.दं.सं., दिनांक 03/01/1878, थाना–सब्जी मंडी
संक्षिप्त तथ्यः– मोहम्मद खान वल्द जुम्मा खान ने शिकायत दर्ज कराई कि पिछली रात शेरा, कालू और मो. खान उसके घर आये और कहने लगे कि वे आराम करना चाहते हैं। उसने उन्हें बिस्तरे दे दिए और अपने घर में ही एक कमरे में सुला दिया। सुबह वे तीनों आदमी बिस्तरों समेत गायब मिले।
सजाः– 3 महीने का कठोर कारावास।

निरीक्षक राजेन्द्र सिंह 'कलकल'

सम्पादकः राजन भगत, जन सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस एवं सहसम्पादकः उ०नि० सतबीर सिंह। मुद्रकः दिल्ली यातायात पुलिस प्रिंटिंग प्रेस